मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 261, मुंबई, सोमवार, 28 दिसंबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

लद्दाख, कश्मीर, किसान पर शिवसेना ने मोदी सरकार को चेताया

...तो सोवियत संघ की तरह भारत से अलग हो जाएंगे राज्य

संवाददाता

मुंबई। अपने मुखपत्र सामना का जरिए शिवसेना ने एक बार फिर से बीजेपी की केंद्र सरकार पर हमला बोला है। पार्टी के प्रवक्ता संजय राउत के लिखे लेख में कहा है कि बीतते वर्ष ने महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक संकट और निराशा का बोझ आनेवाले साल पर डाल दिया है। सरकार के पास पैसा नहीं है लेकिन उसके पास चुनाव जीतने के लिए, सरकारें गिराने-बनाने के लिए पैसा है। संजय राउत ने कहा कि हम ऐसी स्थिति में हैं जहां देश की राष्ट्रीय आय से अधिक ऋण है। यदि हमारे प्रधानमंत्री को इस स्थिति में रात में अच्छी नींद आ रही है, तो उनकी प्रशंसा की जानी चाहिए। बिहार में चुनाव हुए। वहां तेजस्वी यादव ने मोदी से टक्कर ली। (शेष पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र में नया सियासी दांव

अजित पवार ने कहा– महाराष्ट्र भाजपा के कुछ बड़े नेता पार्टी से

नाराज

जल्द एनसीपी में हो सकते हैं शामिल

मुंबई। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने दावा किया कि महाराष्ट्र भाजपा के कई बड़े नेता जल्द एनसीपी में शामिल हो सकते हैं। बिना किसी नेता का नाम लिए बिना पवार ने कहा कि कई लोग बीजेपी से नाराज चल रहे हैं। अजित पवार ने कहा, बीजेपी में शामिल होने वाले नेताओं ने सोचा कि जब बीजेपी सत्ता में आएगी तो उन्हें सुना जाएगा। अब वे बीजेपी छोड़ना चाहते हैं क्योंकि उनके काम नहीं हुए हैं। पुणे और पिंपरी चिंचवाड़ के कुछ नेताओं ने पार्टी में शामिल होने की इच्छा जाहिर की है। जल्द ही उनका स्वागत किया जाएगा।

जयंत पाटिल ने भी किया था दावा

इससे पहले महाराष्ट्र राज्य सरकार में मंत्री जयंत पाटिल ने दावा किया था कि बीजेपी के 10 से ज्यादा विधायक नाराज हैं। एनसीपी में शामिल करने पर भविष्य में फैसला लिया जा सकता है। ये विधायक बीजेपी की व्यवस्था से परेशान हैं। उन्होंने इस बारे में कई बार हमसे बात की है, इसलिए भविष्य में उनके बारे में निर्णय लिया जा सकता है। जनसुराज्य पार्टी के एक पूर्व विधायक को एनसीपी में शामिल करने के बाद जल संसाधन मंत्री पाटिल ने यह बात कही थी।

नए स्ट्रेन के लिए मुंबई में नई

SOP

यूके-यूरोप से आने वाला हर पैसेंजर 14 दिन क्वारैंटाइन होगा

7वें दिन टेस्ट होगा, जिसका खर्च यात्री ही उठाएगा

संवाददाता

मुंबई। ब्रिटेन में कोरोना का नया स्ट्रेन मिलने के बाद बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉरपोरेशन (बीएमसी) ने नई एसओपी जारी की है। इसके मुताबिक, यूरोप और यूके से आने वाले हर यात्री को 14 दिन क्वारैंटाइन रहना होगा। ये क्वारैंटाइन दो हिस्सों में होगा। इसके अलावा क्वारैंटाइन के 7वें दिन यात्री का आरटी-पीसीआर टेस्ट किया जाएगा, जिसका खर्च यात्री को ही उठाना होगा। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

ब्रिटेन का यूरोप से मुंह मोड़ना

ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन से ज्यादा खुश आज कौन होगा? उन्होंने ब्रिटेन को यूरोपीय संघ से बाहर लाने में सफलता जो अर्जित कर ली है। इसी मुद्दे पर ब्रिटेन को दो प्रधानमंत्रियों, डेविड केमरुन और थेरेसा मे के इस्तीफे हो चुके हैं। 2016 में जब यूरोपीय संघ से अलग होने के मुद्दे पर ब्रिटेन में जनमत संग्रह हुआ था तो सिर्फ 52 प्रतिशत लोगों ने उसके पक्ष में वोट दिया था। खुद जॉनसन पसोपेश में थे कि यूरोपीय संघ से इस मुद्दे पर कोई समझौता हो पाएगा या नहीं? पिछले 10 माह से चली रही वार्ता से दोनों पक्ष संतुष्ट दिखाई पड़ रहे हैं और ब्रिटिश संसद अपने छुट्टी के दिनों में भी इस समझौते पर मुहर लगाने के लिए अब लंदन में जुटेगी। 31 जनवरी को ब्रिटेन अब 47 साल बाद इस यूरोपीय संघ से अलग हो जाएगा। 28 देशों का यह संगठन दुनिया का सबसे मालदार और शक्तिशाली साझा बाजार माना जाता रहा है। आयरलैंड के अलावा सभी देशों ने इस समझौते पर संतोष जाहिर किया है लेकिन ब्रिटिश प्रधानमंत्री का कहना है कि इस समझौते के कारण अब उन्होंने ब्रिटेन को उसकी संप्रभुता वापस लौटा दी है। अब यूरोपीय देशों के साथ व्यापार में कोई तटकर या बंधन आदि नहीं रहेगा लेकिन ब्रिटेन के व्यापारियों को अब छोटी-मोटी कई औपचारिकताओं से जूझना पड़ेगा। अब उन्हें मुक्त-व्यापार की सुविधा नहीं मिलेगी। अब तक वे बड़े यूरोपीय बाजार के अभिन्न अंग थे। ब्रिटेन को यह लाभ भी मिलेगा कि अब वहां यूरोपीय लोग ब्रिटिश नौकरियों और रोजगार पर पहले की तरह हाथ साफ नहीं कर सकेंगे। यूरोपीय देशों का सस्ती मजदूरी पर बना माल ब्रिटिश उद्योगों को ठप्प करता चला जा रहा था। अब ब्रिटेन के उद्योगपति और व्यापारी भी राहत की साँस ले रहे हैं। यूरोपीय संघ के मछुआरे विशाल ब्रिटिश समुद्र में से निर्बाध मछली पकड़ते थे लेकिन अब वे उसके तीन-चौथाई के पानी में ही पकड़ सकेंगे, वह भी सिर्फ साढ़े पांच साल तक। उसके बाद हर वर्ष के लिए उन्हें कोई समझौता करना पड़ेगा। अन्य देशों में बने माल को अब ब्रिटेन यूरोप में आसानी से नहीं खपा सकेगा। इस स्थिति से भारत चाहे तो काफी लाभ उठा सकता है। लेकिन ब्रिटेन का यूरोपीय संघ से निकल जाना दुनिया में साझा बाजारों की राजनीति पर उल्टा असर भी डालेगा।

मोदी की 'थाली-ताली' का वर्ष!

क्या सोचा जाए वर्ष 2020 की राजनैतिक गपशप पर? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा है क्या? उन्ही का नहला है, दहला है और इक्का, बादशाह, बेगम, गुलाम याकि भारत की ताश के पूरे बावन पते उन्ही के है। वे ही ताश के मालिक, वे ही पत्ते बांटने वाले और वे ही बाजी जीतने वाले तो राजनीति को कहां कैसे ढूंढा जाएं! न खेल है, न खिलाड़ी है और न दर्शक! जरा याद करें नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के 2014 के वक्त को। भारत के लोगों, हिंदुओं के कौतुक के तब दसियों चेहरे थे। वर्ष 2014 में लोग इंटरनेट पर नरेंद्र मोदी और सनी लियोन को लगभग समान अनुपात में सर्च करते थे तो कम ही सही पर डा मनमोहनसिंह, सोनिया गांधी, राहुल गांधी आदि को भी सर्च करते होते थे। लेकिन दिशंबर 2020 के मौजूदा गूगल सर्च आंकडों में नरेंद्र मोदी को सर्च करने का आंकड़ा 12 प्रतिशत है और सनी लियोन की सर्च का आंकडा 32 प्रतिशत है! लेकिन बाकि सब नेता, राजनीति आऊट!

सीधा अर्थ है कि नरेंद्र मोदी हिंदुओं के दिलों में बैठ गए है, घर-घर पहुंच गए है तो भला 2014 की तरह उन्हे इंटरनेट पर सर्च करने की जरूरत कहा है। चौबीसों घंटे मीडिया की बजती थाली-ताली में वे है तो 81 करोड गरीबों की भीख की पौटली में भी है और नौ करोड किसानों को दक्षिणा देते हुए भी तो वे ही राम मंदिर के आगे साष्टांग लेटे हुए भी है। ऐसे में न राजनीति का खेल बनेगा, न विरोधी नेता पत्ते लिए हुए होंगे। महामारी के अवसर में प्रधानमंत्री मोदी ने मोनोपॉली और सर्वज्ञता का ढ़का और बजवाया। भारत का इतिहास हमेशा याद रखेगा कि 21 वीं सदी में भारत में जब महामारी आई तो उसके राजा के आदेश पर उसे भगाने के लिए हिंदुओं ने ताली-थाली बजाई, दीया जलाया। सारे हिंदू रात नौ बजे नौ मिनट के लिए घर के बाहर निकल शंख बजाते मिले। मतलब सन 2016 में नोटबंदी वह पहला क्षण था जब नरेंद्र मोदी भारत के घर-घर विचारणीय हुए तो 22 मार्च 2020 की रात नौ बजे भी भारत के घर-घर में ताली-थाली से मोदी मौजूद थे। महामारी, लॉकडाऊन, 1947 के विभाजन बाद पैदल यात्रियों की सर्वाधिक त्रासद यंत्रणा में नरेंद्र मोदी की सन-2020 में जो गूंज बनी वह भारत का अनहोना कमाल है। एक अकेले नरेंद्र मोदी और उनकी सर्वज्ञता-सर्वत्रता का भारत अनुभव! हां, अकेले। समझे कि 2019 में लोकसभा जीत के बावजूद नरेंद्र मोदी के साथ अमित शाह की चर्चा थी

तो राहुल गांधी आदि भी सियासी शतरंज में खिलाडी थे। अपना मानना है तब याकि 2019 में बतौर गृहमंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 खत्म करने, तीन तलाक, नागरिकता कानून के ऐतेहासिक निर्णयों से जो किया तो वह सन- 2019 उनका भी साल था। पर 2020 में अकेले नरेंद्र मोदी छाये रहे। वे अकेले लॉकडाउन लगाने वाले। हिंदुओं से ताली-थाली बजवाते हुए। कोरोना महाभारत को 21 दिन में जीतते हुए। और सबसे बडा, हिंदुओं के युगपुरूष बनने का काम जो अयोध्या में रामजी के मंदिर निर्माण में भगवानजी के आगे साष्टांग लेटने का फोटोशूट। उस नाते जब तक सूरज चांद रहेगा, तब तक रामजी का नाम रहेगा तो तब तक उनका मंदिर बनवाने वाले नरेंद्र मोदी का भी अकेले नाम रहेगा, यह उपलब्धि 5 अगस्त 2020 की वह घटना है जिस पर मैंने उस दिन लिखा था कि यह नरेंद्र मोदी का सर्वकालिक क्षण! सो 2020 का सच्चा अर्थ है कि मंदिर निर्माण, किसान बिल, स्वदेशी जैसे तमाम मामलों से आरएसएस, संघ प्रमुख मोहन भागवत, भाजपा आदि सब आउट। रामजी के आगे नरेंद्र मोदी के अकेले साष्टांग प्रणाम का फोटोशूट सन 2020 की वह निर्णायक प्रतीक घटना है जिसमें संघ और संघ परिवार का सर्वस्व एक अकेले आराध्य नरेंद्र मोदी को समर्पित हुआ।

ऐसा 138 करोड लोगों के भाग्य, नियति, उनकी राजनीति, आर्थिकी, सामाजिक दशा-दिशा के मामलों में भी लागू है। भारत में आज नरेंद्र मोदी की सर्वज्ञता के अलावा और है ही क्या? संसद, केबिनेट, पार्टी, आरएसएस, हिंदू धर्म-मंदिर राजनीति सबका अकेले गोवर्धन पर्वत उठाए नरेंद्र मोदी ने सन 2020 में इंच भर भी किसी दूसरे के टेके की, बुद्धी, ज्ञान-विज्ञान, मेहनत की गुंजाईस नहीं रखी। उस नाते कुछ मायनों में सन 2020 केंद्र सरकार और नरेंद्र मोदी के मायावतीकरण का वर्ष भी है। तुलना बेढ़ब लग सकती है मगर जरा सोचे लखनऊ में मायावती ने कैसे राज किया? दलित राजनीति को हर तरह से अपनी सर्वज्ञता में हाईजैक करके। संगठन के पितृपुरूष काशीराम (यहां मोहन भागवत या आडवाणी) को मौन अनुगामी बना उन्हे वार-त्योहार याकि जन्मदिन पर माला पहना अपना अकेला राज चलाया। वैसा ही आज क्या दिल्ली में नहीं है? तब सत्ता नैत्री के हाथों में सबकुछ केंद्रीत। नौकरशाही कंपकंपाती हुई तो एमपी, एमएलए में किसी की कोई औकात नहीं। विधानसभा वैसे ही बेमतलब जैसे 2020 में लोकसभा देखने को मिली। सामान्य बात नहीं कि दुनिया के तमाम सभ्य देशों (अमेरिका, ब्रिटेन सहित) में संसद वायरस संकट से निपटने के लिए लगातार बैठकरत रही वहीं भारत में पूरा शीतकालीन सत्र ही उड गया तो बजट सत्र व मानसून सत्र कितने दिन चले और कैसे चले वह आजाद भारत के इतिहास का कभी न भुलाने वाला अनुभव है। हां, ऐसे ही मायावती के राज की विधानसभा में भी हुआ करता था। सोचे मायावती ने अपनी चिरस्थाई, सर्वकालिक दलित महारानी की इमेज बनाने के लिए क्या किया? वहीं जो भारत में राजे-रजवाड़े अपनी याद के स्मारक बना कर करते थे। मतलब इमारते बनवाना, मंदिर बनवाना, मूर्तियां बनवाना। इसलिए की बाद में राज आए या न आए, कोई याद रखे या न रखे, बना डालों पत्थरों के महल, बूत और मंदिर। सो मायावती ने लखनऊ में, दिल्ली के मुहाने नोएड़ा में वे निर्माण कराएं जिनमें अपने बूत लगवाएं, अरबों रू के खर्च से वे इमारते, स्मारक, पार्क बनाए जिससे लखनऊ की शक्ल बदली। वैसा ही संकल्प सन 2020 में नरेंद्र मोदी का बना। महामारी काल के बावजूद नई दिल्ली को अपनी यादगार में बदलने के लिए नई संसद, नए सेंट्रल विस्ता बनाने के अरबों रू. के प्रोजेक्ट बना डाले तो अपने ही हाथों अयोध्या में राम मंदिर का शिलान्यास, काशी का सौदर्यकरण। आश्चर्य मत कीजिएगा यदि मंदिर पूरा बने उससे पहले विचार बने कि बतौर भक्त नरेंद्र मोदी की मूर्ति भी रामजी के सामने लगे। ये सब छोटी बाते। इन सबसे ऊंचा कमाल सन 2020 में नरेंद्र मोदी द्वारा हिंदुओं से ताली-थाली बजवाना है जिससे पृथ्वी के महामारी काल में जी रहे कोई आठ अरब लोगों के प्रतिनिधी सुधीजनों, राष्ट्रनेताओं में यह विचार बना व बना रहेगा कि हिंदू लोग कैसी बुद्धी रखते है!

विपक्ष, राहुल की गुमशुदी का साल

एक तो महामारी, ऊपर से राजनीति के सारे पत्ते नरेंद्र मदी की जेब में तो विपक्ष भला कैसे राजनीति करता हुआ हो सकता है? प्रधानमंत्री मोदी की वक्त की बादशाहत में राजनीति और लोकतंत्र ही जब सांस के संकट में है तो राहुल गांधी हो या अखिलेश यादव या शरद पवार या कोई भी एक्सवाईजेड पार्टी और नेता के बस में है क्या! पूछा जा सकता है कि तब तेजस्वी यादव ने कैसे मोदी-नीतिश को बिहार में थकाया? अपनी थीसिस है कि वह जनता के कारण था। वहां भी तेजस्वी और राहुल गांधी ने राजनीति कम की गलतियां ज्यादा की तभी जनता की चाहना के बावजूद वे हार गए। दरअसल पूरा विपक्ष और खासकर कांग्रेस, राहुल गांधी सन 2020 में भी इस हकीकत को नहीं बूझ पाए कि यदि नरेंद्र मोदी के एक आव्हान पर हिंदू रात नौ बजे नौ मिनट के लिए ताली-थाली बजा दीया

जला वायरस को भगाने के टोटके वाली बुद्धी लिए हुए हो गया है तो यह हिंदूओं का मोदीकरण है। इसलिए पुरानी राजनीति छोड़ों और हिंदुओं को रिझाने के लिए पहले हिंदू बनो। झूठ बोलने वाले मास्टरमाइंड बनों तो हिंदू दीया लिए गुमनामी से निकाल बाहर करेंगे। अपनी राय में सन 2020 की सबसे बड़ी सियासी गपशप यह है कि कांग्रेस के पुराने-बुजुर्ग-अनुभवी नेताओं और राहुल गांधी-प्रियंका गांधी दोनों अभी भी नहीं समझे कि पार्टी का उद्धार तभी संभव है जब अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का नाम सुन कर हिंदू सोचे कि यह गांधी-इंदिरा की अखिल भारतीय हिंदू कांग्रेस कमेटी है। सन 2020 औवेसी उर्फ अगले जिन्ना के अखिल भारतीय बनने का प्रारंभ वर्ष है। बिहार के चुनाव ने साबित किया है कि मुसलमान जहां भी मेजोरिटी में है वहां वह नरेंद्र मोदी के आगे अपने जिन्ना को जीताने की आग पाल चुका है। और यह नरेंद्र मोदी-अमित शाह की हिंदू राजनीति में सोने पर सुहागा है। मतलब कांग्रेस-विरोधी पार्टियों को मुसलमानों के वोट धीरे-धीरे कम होने है। दस-बीस साल बाद भारत में चुनाव सचमुच 1947 से पहले के कांग्रेस बनाम मुस्लिम लीग के पैटर्न पर भाजपा बनाम ओवैसी पार्टी में हुआ करेंगे तब राहुल गांधी और प्रियंका गांधी और कांग्रेस कैसी गुमनामी में चले जाएंगे इसका बेसिक आईडिया विपक्ष को नहीं हो पा रहा है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शिवसेना से साथ पर बोले कांग्रेस नेता अशोक चव्हाण...

'हमारा गठबंधन केवल महाराष्ट्र तक'

मुंबई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण ने रविवार को कहा कि शिवसेना संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) का हिस्सा नहीं है और दोनों दलों के बीच गठबंधन महाराष्ट्र तक ही सीमित है। इससे पहले शनिवार को शिवसेना सांसद संजय राउत ने कांग्रेस नीत संप्रग के विस्तार की बात कही थी। महाराष्ट्र के लोक निर्माण विभाग मंत्री चव्हाण ने संवाददाताओं से कहा कि ऐसे में शिवसेना को संप्रग के नेतृत्व को लेकर कोई टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। राज्य की महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार का नेतृत्व शिवसेना कर रही है, जिसमें कांग्रेस और राकांपा भी शामिल है। उन्होंने कहा कि शिवसेना को अभी संप्रग का हिस्सा बनना बाकी है। महाराष्ट्र में सेना के साथ हमारा गठबंधन न्यूनतम साझा कार्यक्रम पर आधारित है और महाराष्ट्र तक सीमित है। राउत ने कहा था कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार को संप्रग

अध्यक्ष सोनिया गांधी समेत सभी दलों का समर्थन प्राप्त है, इस पर चव्हाण ने कहा कि संप्रग नेतृत्व के बारे में उद्धव ठाकरे नीत पार्टी को टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शरद पवार ने स्वयं उन अटकलों को खारिज किया है कि वह संप्रग के अगले अध्यक्ष होंगे। संप्रग के सहयोगी दलों को सोनिया गांधी के नेतृत्व में पूरा भरोसा है। ऐसे में इस विषय पर चर्चा करने की कोई आवश्यकता नहीं है। उल्लेखनीय है कि शिवसेना सांसद संजय राउत ने शनिवार को संप्रग का दायरा बढ़ाने का आह्वान किया था और कहा कि विपक्ष को केंद्र के 'तानाशाही रवैये' के खिलाफ एकजुट होना चाहिए और केंद्र सरकार के खिलाफ मजूबत विकल्प देना चाहिए। उन्होंने कहा था कि सभी विपक्षी पार्टियों को केंद्र सरकार के तानाशाही रवैये के खिलाफ एकसाथ आना चाहिए। कमजोर विपक्ष लोकतंत्र के लिए खराब है।

झारखंड में छिपा था दाऊद का करीबी अब्दुल माजिद,

24 साल बाद गुजरात एटीएस के हत्थे चढ़ा

संवाददाता

नई दिल्ली। गुजरात एटीएस ने देश के मोस्ट वांटेड दाऊद इब्राहिम के करीबी अब्दुल माजिद कुट्टी को झारखंड से गिरफ्तार किया है। माजिद पिछले 24 सालों से फरार चल रहा था। माना जा रहा है कि वह दाऊद के कई राज उगल सकता है। एटीएस अधिकारियों ने बताया कि कुट्टी केरल का रहने वाला है। वह 1996 में 106 पिस्तौल, 750 कारतूस और लगभग 4 किलोग्राम आरडीएक्स इकट्ठा करने के अपराध में शामिल था। एक वरिष्ठ एटीएस अधिकारी ने बताया, अन्य

आरोपियों को इस मामले में गिरफ्तार किया जा चुका था, लेकिन कुट्टी 24 साल से फरार चल था और झारखंड में छिपा हुआ था। उन्होंने बताया कि हमें अपने खुफिया सूत्रों से उसके ठिकाने के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद एक टीम को झारखंड भेजा गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। एटीएस के मुताबिक, अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और उसके गिरोह की गुजरात और मुंबई में शांति भंग करने की योजना थी और इसलिए उसने इतनी बड़ी मात्रा में हथियार और आरडीएक्स इकट्ठा किया था। एटीएस अधिकारियों ने कहा, इस मामले में गिरफ्तार अन्य आरोपियों से जब पूछताछ की गई थी, तब कुट्टी का नाम सामने आया। इसके बाद से ही वह फरार चल रहा था।

सुशांत सिंह मामला

महाराष्ट्र के गृह मंत्री देशमुख बोले-सीबीआई ने नहीं बताया

हत्या थी या आत्महत्या

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की आत्महत्या मामले की सीबीआई जांच कर रही है। उन्होंने 14 जून को मुंबई स्थित अपने आवास पर आत्महत्या कर ली थी। हालांकि सीबीआई इस मामले की जांच करके यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह आत्महत्या थी या हत्या। अब महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने सीबीआई जांच पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यह आत्महत्या थी या हत्या, इसके बारे में सीबीआई ने नहीं बताया है। अनिल देशमुख ने रविवार को कहा, 'जांच शुरू हुए पांच महीने से ज्यादा समय हो गया है लेकिन सीबीआई ने यह खुलासा नहीं किया है कि अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की हत्या की गई थी या उन्होंने आत्महत्या की थी। मैं सीबीआई से जांच के निष्कर्षों को जल्द से जल्द प्रकट करने का अनुरोध करता हूं।' बता दें कि सुशांत की मौत के मामले में सीबीआई की जांच को लेकर उच्चतम न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई थी। याचिका में मामले को लेकर सीबीआई से स्टेटस रिपोर्ट लेने की मांग की गई थी। दिवंगत अभिनेता के मामले की जांच सीबीआई के अलावा ईडी और एनसीबी भी कर रही है। अब तक कुछ साफ नहीं हो पाया है।

मामूली कहासुनी पर लिव इन पार्टनर ने ली जान, आरोपी फरार

संवाददाता

मुंबई। मुंबई के वर्ली में एक दिल दहलाने वाली वारदात सामने आई है। 44 वर्षीय एक महिला की उसी के लिव इन पार्टनर ने हत्या कर दी। दोनों के बीच किसी बात को लेकर बहस हुई थी। घटना के बाद से आरोपी फरार है। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना मुंबई के पॉश इलाके वर्ली की है। यहां की एक सोसायटी में एक कपल लिव इन में रहता था। एक अधिकारी ने बताया कि दोनों बीते 12 सालों से साथ रह रहे थे। बुधवार को दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई है। बहस के बाद 44 वर्षीय महिला की उसके लिव-इन पार्टनर ने कथित तौर पर गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि दोनों हाल ही में सेंट्रल मुंबई में रहने आए थे। एक अधिकारी ने बताया कि बुधवार को आरोपी और महिला के बीच झगड़ा हो गया, जिसके बाद आरोपी ने दुपट्टे से उसका गला घोंट दिया और फिर किसी भारी सामान से उसका सिर फोड़ दिया। अधिकारी ने बताया कि आरोपी फरार है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

लद्दाख, कश्मीर, किसान पर शिवसेना ने मोदी सरकार को चेताया

बिहार के नीतीश कुमार और भाजपा की सत्ता सही तरीके से नहीं आई। भाजपा नेता विजयवर्गीय ने सनसनीखेज खुलासा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने मध्य प्रदेश में कांग्रेस की कमलनाथ सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए विशेष प्रयास किया था। यदि हमारे प्रधानमंत्री राज्य सरकारों को अस्थिर करने में विशेष रुचि ले रहे हैं तो क्या होगा? प्रधानमंत्री देश का होता है। राज्यसभा सांसद ने कहा कि देश एक महासंघ के रूप में खड़ा है। यहां तक कि जिन राज्यों में भाजपा की सरकारें नहीं हैं, वे राज्य भी राष्ट्रहित की बातें करते हैं। यह भावना मारी जा रही है। मध्य प्रदेश में, भाजपा ने कांग्रेस को तोड़ दिया और सरकार बनाई। बिहार में युवा तेजस्वी यादव ने चुनौती पेश की। कश्मीर घाटी में अस्थिरता बरकरार है। चीन ने लद्दाख में घुसपैठ की है। पंजाब के किसानों पर जोर-जबरदस्ती का प्रयोग शुरू है। केंद्र सरकार कंगना रनौत और अर्नब गोस्वामी को बचाने के लिए जमीन पर उतर गई। राजनीतिक अहंकार के लिए मुंबई की मेट्रो को अवरुद्ध कर दिया। सामना में कहा गया है कि अगर केंद्र सरकार को इस बात का एहसास नहीं हुआ कि हम राजनीतिक लाभ के लिए लोगों को नुकसान पहुंचा रहे हैं, तो जैसे रूस के राज्य टूटे वैसा हमारे देश में होने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। केंद्र सरकार की क्षमता और विश्वसनीयता पर सवालिया निशान पैदा करनेवाले वर्ष 2020 की तरफ देखना होगा। राज्य और केंद्र के बीच संबंध बिगड़ रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट कई मामलों में अपना कर्तव्य भूल गया। भारतीय सामाजिक जीवन की त्रासदी यह है कि देश का भविष्य उज्ज्वल करने या उसे डुबाना दो-चार लोगों के हाथों में है। यह त्रासदी वर्तमान में चल रही है। कोरोना और लॉकडाउन के बावजूद, सभी स्तरों पर भ्रष्टाचार का वायरस कायम है। अंबानी और अडानी की संपत्ति बीतते वर्ष में भी बढ़ती गई लेकिन जनता ने बड़ी संख्या में नौकरियां खो दीं।

नए स्ट्रेन के लिए मुंबई में नई एसओपी

रिवाइज्ड एसओपी के मुताबिक, यूके और यूरोप से आने वाले यात्री को 7 दिन इंस्टीट्यूशनल क्वारैंटाइन में रखा जाएगा। 7वें दिन उसके होटल या संस्थान में ही आरटी-पीसीआर टेस्ट किया जाएगा। इसका खर्च यात्री ही उठाएगा। अगर यात्री का टेस्ट निगेटिव आता है तो उसे घर जाने की मंजूरी दी जाएगी, लेकिन 7 दिन तक उसे होम क्वारैंटाइन होना होगा। गाइडलाइन के मुताबिक, होम क्वारैंटाइन स्टैंप लगाया जाएगा और यात्री से शपथपत्र लिया जाएगा कि वो 7 दिन होम क्वारैंटाइन नियम का पालन करेगा। अगर टेस्ट पॉजिटिव आता है तो यात्री को कोविड अस्पताल में शिफ्ट किया जाएगा। ब्रिटेन से आने से वाले यात्री को सेवन हिल्स जैसे कोविड सेंटर और दूसरे देशों से आने वालों को जीटी अस्पताल भेजा जाएगा। विदेशी दूतावासों और काउंसलर जनरल के दफ्तर में काम करने वाले यात्रियों को इंस्टीट्यूशनल क्वारैंटाइन में नहीं रखा जाएगा। इसके लिए वंदे भारत मिशन के तहत जो गाइडलाइन जारी की गई हैं, उन्हें अफसरों को फॉलो करना होगा। बीएमसी ने कहा कि अगले आदेश तक ब्रिटेन, साउथ अफ्रीका, मिडिल ईस्ट और यूरोपीय देशों से मुंबई एयरपोर्ट आने वाले यात्रियों के लिए ये गाइडलाइंस जारी रहेंगी। ब्रिटेन में म्यूटेटेड कोरोना के मामले सामने आने के बाद बीएमसी ने 24 दिसंबर को पहली गाइडलाइन जारी की थी। इसमें बीएमसी ने कहा था कि ब्रिटेन से पिछले एक महीने में मुंबई आए यात्रियों को ट्रेस किया जाएगा। ब्रिटेन से सीधे या कनेक्टेड और इनडायरेक्ट फ्लाइट्स के जरिए आने वालों को आवश्यक तौर पर इंस्टीट्यूशनल क्वारैंटाइन में भेजा जाएगा और इसका खर्च यात्री ही उठाएंगे।

डॉ. अजय एल. दुबे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से

स्टाम्प ड्यूटी में मार्च 2021 तक संभावित बढ़ोत्तरी न करने की अपील की

फाउंडेशन ऑफ मीरा-भाईदर प्रोपर्टी डिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. अजय एल. दुबे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से स्टाम्प ड्यूटी में मार्च 2021 तक संभावित बढ़ोत्तरी न करने की अपील करते हुए पत्र लिखा। डॉ. अजय एल. दुबे ने पत्र के माध्यम से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से कहा कि यह सर्वविदित है कि कोरोना काल की मार को देखते हुए रियल स्टेट के क्षेत्र में छाई आर्थिक मंदी के मद्देनजर अगस्त 2020 में आए शासन परिपत्क की 'भूरि-भूरि प्रशंसा हुई थी, क्योंकि राज्य सरकार द्वारा स्टाम्प ड्यूटी मुंबई में 5 प्रतिशत व ठाणे जिले में 7 प्रतिशत से घटाकर क्रमशः 2 तथा 3 प्रतिशत किया जाना बेहद सराहनीय कदम था और इससे रियल स्टेट से जुड़े सभी लोगों ने राहत भरी सांस ली थी। हालांकि उक्त परिपत्क के मुताबिक इस स्टाम्प ड्यूटी में 31 दिसंबर 2020 के उपरांत 1 प्रतिशत संभावित बढ़ोत्तरी का प्रावधान भी है, मगर जिस तरह कोरोना की मार अभी थमी नहीं है और पिछले लगभग एक साल में जिस तरह भवन निर्माताओं, व्यवसायियों तथा घर खरीदने के इच्छुक आम नागरिकों को आर्थिक नुकसान उठाना पढ़ा है, उसे देखते हुए फिलहाल स्टाम्प ड्यूटी में संभावित 1 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी उचित प्रतीत नहीं होती है, क्योंकि इससे रियल स्टेट से जुड़े सभी लोगों में एक बार फिर मायूसी का माहौल उत्पन्न होगा। डॉ. अजय एल. दुबे ने पत्र के माध्यम से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से निवेदन करते हुए कहा कि कम से कम 31 मार्च 2021 तक संभावित 1 प्रतिशत स्टाम्प ड्यूटी की बढ़ोत्तरी न की जाए, ताकि रियल स्टेट से जुड़े सभी लोगों को आर्थिक रुप से उबरने का मौका मिल सके और इससे जुड़े सभी लोग राहत महसूस कर सके।

मुफ्त मास्क और स्टीम मशीन का वितरण कर केंद्रीय राज्यमंत्री रामदास आठवले का जन्मदिन मनाया गया

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया की अंधेरी पूर्व इकाई ने मुफ्त मास्क और स्टीम मशीन का वितरण कर अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय राज्यमंत्री रामदास आठवले का जन्मदिन मनाया। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया, वार्ड ८२ द्वारा आयोजित कार्यक्रम इस कार्यक्रम में पार्टी में शामिल हुए सेवानिवृत्त मनपा अधिकारी के. एस. गायकवाड़ और व्यवसायी अली अहमद खान को मुंबई उपाध्यक्ष पद मिलने पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुंबई सचिव रतन आस्वारे ने दलित और मुस्लिम समाज को सबसे अधिक शोषित और पीड़ित बताते हुए दोनों को और करीब आने की बात कही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व पुलिस अधिकारी डी. डी. वडमारे ने दलित समाज के युवाओं से प्रशासनिक और पुलिस विभाग में भाग्य आजमाने का सुझाव दिया। विशेष अतिथि के रूप में अपनी बात रखते हुए वरिष्ठ पत्रकार सैयद सलमान ने मौलाना हसरत मोहानी और डॉ. बाबासाहब आंबेडकर के रिश्तों का विशेष तौर पर उल्लेख किया और डॉ. आंबेडकर के नारे 'शिका, संगठित व्हा, संघर्ष करा' पर प्रकाश डाला। नवनियुक्त मुंबई उपाध्यक्ष अली अहमद खान ने इस अवसर पर विभाग के लिए डॉक्टर आंबेडकर की आगामी जयंती पर विभाग के लिए एम्बुलेंस देने की घोषणा की। कार्यक्रम को मुंबई उपाध्यक्ष भास्कर झिमरे, टॉनी रेगो, शकुंतला कांबळे, राजेंद्र आंबवडे, दिलीप कांबळे, गौतम कांबळे, गणेश ठोकळे और रियाज खान ने भी संबोधित किया।

सामाजिक संस्था सकल ओबीसी समाज के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया गया

पुणे। देश के पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए काम करनेवाली सामाजिक संस्था सकल ओबीसी समाज के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन कार्यक्रम पुणे शहर में स्थित राजे उमाजी नाइक हुतात्मा स्मारक पर संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर सांसद डॉ अमोल कोल्हे, प्रोफेसर हरी नरके, अप्पासाहेब चव्हाण उपस्थित थे। इस अवसर कार्यक्रम के आयोजक संस्था सकल ओबीसी समाज के पदाधिकारियों की बैठक भी संपन्न हुई। बैठक में महात्मा फुले व सावित्रीबाई फुले द्वारा स्थापित प्रथम बालिका विद्यालय के प्रांगण में स्मारक निर्माण, संवैधानिक आरक्षण में ओबीसी समाज के हिस्सेदारी के संरक्षण, प्रथम स्वतंत्रता सेनानी राजे उमाजी नाइक के गौरवशाली बलिदान, ओबीसी समुदाय की अलग जनगणना जैसे कई विषयों पर चर्चा की गई। सांसद डॉ अमोल कोल्हे ने सकल ओबीसी समाज संस्था के द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यक्रमों की सराहना की। उन्होंने कहा कि महान क्रांतिकारी राजे उमाजी नाइक व समाज सुधारक महात्मा फुले जैसे महापुरुषों पर फिल्म बनाने के लिए अवश्य प्रयत्न करेंगे। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर ओबीसी समाज के एकजुट होने पर जोर दिया। प्रोफेसर हरी नरके ने सांसद कोल्हे से मराठी भाषा को अभिजात दर्जा दिलाने की मांग संसद में उठाने के लिए अनुरोध किया। इस दौरान सोमनाथ काशीद, मृणाल ढोले पाटील, नितीन बोराटे, शिला पटेल, डी जी गुरव, जान्हवी टक्के,नानासाहेब गारडे, मिलिंद कोपर्डे,किरण काळे , गणेश ससाणे, संदीप भांडवलकर, राहुल कोसंदर, संतोष हळदे,बोरडे ताई इत्यादि पदाधिकारी मौजूद थे। मंच संचालन का अशोक गीते और आभार प्रदर्शन संस्था की अध्यक्षा कांचन नाइक के द्वारा किया गया।

नारी सम्मान संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्षा सुंदरी ठाकुर ने बच्चों के साथ मनाया क्रिसमस

संवाददाता

मुंबई। नारी सम्मान संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सुंदरी ठाकुर व दै. मुंबई हलचल के संपादक श्री दिलशाद खान ने अंधेरी में जोसेफ पटेल वाडी व बाल वाडी में बच्चों के साथ क्रिसमस मनाया। क्रिसमस डे के मौके पर नारी सम्मान संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सुंदरी ठाकुर ने नन्हें-नन्हें बच्चों से मिली और उनके बीच बिस्कुट, टॉफिया व उपहार बांटे। श्रीमती सुंदरी ठाकुर ने कहा कि लोगों व बच्चों के लिए वह हमेशा तत्पर रहेंगी। इस मौके पर सभी बच्चों को कोरोना से किस तरह बचा जाये इसकी जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर श्री खलील शेख, श्रीमती परवीन, श्रीमती दीपा व डॉक्टर पूजा भी मौजूद थी। सभी ने बच्चों को क्रिसमस व नव वर्ष की शुभकामना दी।

शेरी एंड दीया फाउंडेशन एनजीओ के फाउंडर राकेश कोठारी को मिला सम्मान

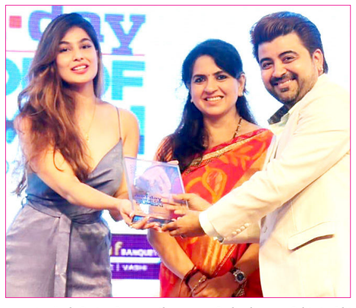

मुंबई। शेरी एंड दीया फाउंडेशन एनजीओ को हाल ही में मुंबई में मिड डे अवॉर्ड्स से सम्मानित किया गया है। शेरी एंड दीया फाउंडेशन एनजीओ को किसी पहचान की जरूरत नहीं है जिसके फाउंडर राकेश कोठारी हैं। ये एनजीओ मुंबई के जानवरों का देखभाल करती है, भले ही वो कितनी भी गंभीर हालत में हो। आज के दौर में किसी के पास किसी के लिए समय नहीं है लेकिन इस एनजीओ को अब बॉलीवुड के सितारे भी सपोर्ट कर रहे हैं जैसे करण टकर, राजपाल यादव, शेफाली बग्गा। यह एनजीओ कम से कम 500 से अधिक सड़क पर भटकते हुए जानवरो का रोज ध्यान रखती है। उनकी दवाइयां, खाना पीना, बरसात से बचाना, हॉस्पिटल में इलाज कराना सब इंतजाम किया जाता है। अब आगे चलकर यह एनजीओ मुंबई से विरार एम्बुलेंस और सभी तरह के इलाज की ज़िम्मेदारी की योजना बना रही है। वह भी पूरे 24 घंटे की देख रेख के साथ जिसमे नरेंद्र हिरानी जो खुद एक सोशल वर्कर हैं वे भी साथ दे रहे हैं। प्रेस वार्ता में फाउंडर राकेश कोठारी ओर प्रियंका कोठारी ने कहा कि चाहे कुछ भी हो जाए यह एनजीओ मुंबई में हमेशा इस काम को लेकर अपनी पूरी ज़िम्मेदारी निभाएंगी। अन्य कई कामों में व्यस्त होने के बाद भी हम पीछे नहीं हटेंगे जैसे ऑर्गेनिक मार्केट्स ओर रोस्टेड ऑनलाइन फूड।

मधुबनी हलचल

गरीब बेरोजगारों को नौकरी दिलाने के नाम पर चल रहे रैकेट का जल्द होगा पर्दाफाश: नजरे आलम

बेदारी कारवां की सरकार और मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष से अविलंब जांच बिठाकर लूटेरों को जेल भेजने की मांग

संवाददाता/मो सालिम आजाद

दरभंगा। बिहार सरकार के द्वारा 2460 मदरसों को मंजूरी मिलने के बाद से ऐसा महसूस होता है के दलालों की लॉटरी निकल आयी है और भ्रष्टाचार एवं रिश्वतखोरी का दरवाखा खुल गया है। कहीं नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी हो रही है तो किसी ने मदारिस के रजिस्ट्रेशन के नाम पर लूट मचा रखी है। बहुत से लोगों ने तो रजिस्ट्रेशन के लिए फर्जी जमीन, फर्जी म्यूटेशन और फर्जी रसीद लगाकर फाईल सचिवालय में जमा करा रखा है। भ्रष्टाचार और गरीब बेरोजगारों को बेवकूफ बनाने और उनको ठगने का इतना बड़ा रैकेट इससे पूर्व मदरसों के नाम पर कभी देखने को नहीं मिला। हद तो यह है के एक ही व्यक्ति दो-दो दर्जन से अधिक मदरसों का सचिव बना बैठा है। मदारिस का जमीन पर कहीं भी वजूद नहीं है लेकिन एक ही व्यक्ति सैकड़ों शिक्षकों से बहाली के नाम पर 4-4 लाख रुपए लेकर करोड़पति बन बैठा है

और करोड़ों की संपति का मालिक बना हुआ है। बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड पटना में अपने प्रभाव और बोर्ड के जिम्मेदारान से गहरे रिश्ते की दुहाई देकर बेरोजगारों की लूट का सिलसिला खुलेआम चल रहा है। जब हमारे संगठन की टीम ने इस की जांच की तो पता चला के मदरसा का कहीं भी जमीन पर पता नहीं है और खुद से अंचलाधिकारी एवं कर्मचारी का फर्जी हस्ताक्षर करके और मुहर लगातर फाईल जमा कर दी गई है। उक्त बातें ऑल इंडिया मुस्लिम बेदारी कारवां के अध्यक्ष नजरे आलम ने बताते हुए आगे कहा के भ्रष्टारचारियों के इस रैकेट पर लगाम लगाने के लिए सरकार और मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष को अविलंब जांच बिठाकर ऐसे बेईमानों और लूटेरों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए, जिन्होंने फर्जी ढ़ंग से करोड़ों की संपति हासिल कर ली है और बेरोजगारों को सड़कों पर भटकने के लिए छोड़ दिया है। सरकार को अविलंब ऐसे भ्रष्टाचारियों पर लगाम लगाने की जरूरत है। अगर सरकार और मदरसा बोर्ड ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया तो हमारा संगठन मुस्लिम बेदारी कारवां पटना हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटायगी ताकि तमाम फर्जी मदारिस और उनके बेईमान जिम्मेदारान को अंजाम तक पहुंचाया जा सके।

अमरावती हलचल

समाजवादी पार्टी शहर अमरावती की ओर से भव्य रक्तदान शिविर संपन्न

सैकड़ो युवाओ ने थामा पार्टी का दामन

अमरावती। शहर अमरावती के ब्लड बैंकों में हो रही रक्त की कमी को ध्यान में रखते हुए समाजवादी पार्टी ने एक भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस समय सैकड़ो युवाओ ने थामा पार्टी का दामन और किया रक्तदान। इस समय आरोग्य शेत्र मे काम करने वाले जाकिर खान सहाब ने पार्टी मे किया प्रवेश महाराष्ट्र प्रदेश महासचिव हाजि जफर खान सहाब के हातो अमरावती ज़िला महासचिव पद पे नियुक्त किया गया। हाजी जफर अली महाराष्ट्र प्रदेश सचिव, जिल्हा अध्य्क्ष सलीम खान, शहर अध्यक्ष इमरान खान तिवसा तालुका अध्य्क्ष डाक्टर मोहन टाले उपाध्यक्ष शेख नौशाद मुस्लिम युथ लिग के महाराष्ट्र अध्यक्ष इमरान अशरफी, इसरार आलम, सलमान खान एटीएस, फिरोज खान पासबार ए उरदू अदब, जाकिर जमाल, यह सभि उपस्थित थे।

बुलढाणा हलचल

पिस्तौल और चाकू का धाक दिखाकर अवैध कार्य करने के इरादे से घूमने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने दबोचा

बुलडाणा। पिस्तौल और चाकू का धाक दिखाकर अवैध कार्य करने के इरादे से घुमने वाले दो आरोपियों को स्थानीय आपराधिक जांच शाखा की एकटीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चिखली पुलिस को रात 2 बजे सूचना मिली कि मेहकर फाटा के पास होटल कोल्हापुरी दरबार में दो अज्ञान ईसम अपने हाथों में चाकू और चाकू लेकर घूम रहे हैं। जैसे ही पुलिस कर्मचारी मौके पर पहुंचे, आरोपी ने पुलिस की गाड़ी देख कर, उनके पास के हथीयार पिस्तौल और चाकू जमीन पर फेंक कर फरार हो गए। तीन महीने बाद, 26 दिसंबर को रात 9 बजे, स्थानीय अपराध शाखा ने आरोपी की पहचान कर दोनों आरोपियों को निष्पन्न किया। उनका नाम १) साजिद शाह रा. मेहकर २) समीर शाह रा. वरणगाव आहे. आरोपियों

के पास से दो मोटरसाइकिल दो मोबाइल ईस तरह 52,000 रुपये का सामग्री को जब्त कर लिया गया। आरोपियों को पुलिस स्टेशन चिखली में अधिनियम संख्या 573/2020 3/25, 4/25 अधिनियम (आग्नेयास्त्रों का अवैध कब्जा) और पुलिस स्टेशन वाशिम अप नं. 177/19 धारा 379 भा। चोरी की गई हीरो होंडा स्प्लेंडर मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया। आगे की कार्रवाई के लिए चिखली पुलिस स्टेशन को को सौंप दिया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अरविंद चावरिया, अपर पुलिस अधीक्षक खामगाँव और बुलढाणा के निर्देश पर पोलीस निरीक्षक बळीराम गिते इनके मार्गदर्शन मे पिएसआय निलेश शेळके, श्रीकांत जिंदमवर, सुधाकर काळे, नदीम शेख, भारत जंगले, विजय सोनुने, चालक बरडे की गई।

राजस्थान हलचल

धर्मेंद्र ने सालगिरह पर पत्नी को चांद पर 3 एकड़ जमीन का दिया गिफ्ट

संवाददाता/सैय्यद अल्ताफ हुसैन

अजमेर। बहुत सारे वैज्ञानिकों का सपना होता है कि उन्हें एक बार चांद पर जाने का मौका मिले, लेकिन राजस्थान के एक शख्स ने ऐसा कर दिखाया है, जिसे सुनकर आप दंग रह जाएंगे। अजमेर के रहने वाले इस शख्स ने अपनी पत्नी को शादी की सालगिरह पर चांद पर जमीन का एक टुकड़ा खरीद कर गिफ्ट में दिया है। अब इस शख्स की चर्चा जिले ही नहीं बल्कि पूरे देश में हो रही है। जानकारी के मुताबिक, शख्स का नाम धर्मेंद्र अनिजा है। उसने अपनी शादी की सालगिरह पर अपनी पत्नी को चांद पर तीन एकड़ जमीन उपहार में दी है। वहीं, धर्मेंद्र का कहना है कि उन्होंने अपनी आठवीं शादी की सालगिरह पर अपनी पत्नी के लिए कुछ खास गिफ्ट देने का प्लान बनाया था, तभी एकाएक दिमाग में आया कि क्यों न चांद पर जमीन खरीद कर गिफ्ट में

दिया जाए। धर्मेंद्र ने कहा कि 24 दिसंबर को हमारी शादी की सालगिरह थी। मैं उनके लिए कुछ खास करना चाहता था। हर कोई कार और ज्वैलरी जैसी सांसारिक चीजें गिफ्ट करता है, लेकिन मैं कुछ अलग करना चाहता था। इसलिए मैंने उसके लिए चांद पर जमीन खरीदी और पत्नी को गिफ्ट में दे दिया। उन्होंने कहा कि मुझे बहुत खुशी है। मुझे लगता है कि मैं चंद्रमा पर जमीन खरीदने वाला राजस्थान का पहला आदमी हूं। धर्मेंद्र की पत्नी सपना ने कहा कि उन्हें अपने पति से इस तरह के विशेष 'दुनिया से बाहर' का उपहार प्राप्त करने की उम्मीद नहीं थी। जानकारी के मुताबिक, धर्मेंद्र ने अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर की एक फर्म लूना सोसाइटी इंटरनेशनल के माध्यम से तीन एकड़ जमीन खरीदी है। उन्होंने कहा कि जमीन खरीदने के बाद प्रक्रिया पूरा होने में लगभग एक साल लग गया।

बीकानेर में नए साल के जश्न पर लगी रोक, 31 को रात 8 बजे के बाद सड़क पर दिखे तो होगी पुलिस कार्यवाई

संवाददाता/सैय्यद अल्ताफ हुसैन

बीकानेर। 2020 के अब कुछ दिन ओर बाकी है। यह साल पूरी दुनिया के लिए हानिकारक रहा। कोरोना जैसा महासंकट 2020 में रहा। सभी अब नए साल 2021 के इंतजार में है। लेकिन इस बार नए साल का जश्न मानने पर रोक लगा दी। बीकानेर में रात 8 बजे से सुबह 6 बजे तक कर्फ्यू है, लेकिन 31 दिसंबर की रात ज्यादा सख्ती बरती जाएगी। एसपी प्रहलादसिंह कृष्णियां ने सभी थानों को स्पष्ट मैसेज किया है, रात 8 बजे बाद कोई बेवजह सड़क पर नहीं मिलना चाहिए। पुलिस को पटाखे चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। रेस्टोरेंट, बाजार, दुकान, होटल, पब, बार, ठेके सभी बंद रहेंगे। सिर्फ घरों में ही लोग न्यू इअर मना सकते हैं। घरों पर भी हम पिछले सालों की तरह शोर-शराबा और भीड़भाड़ नहीं जुटा सकते हैं। मोहल्लों में न्यू ईयर सेलिब्रेशन जैसे प्रोग्राम नहीं हो सकेंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

नींबू के छिलके को न समझे बेकार, इससे लें ढेरो फायदे

गर्मियों में लोग नींबू का अधिक सेवन करते हैं। पौष्टिक गुणों से भरपूर नींबू शरीर को कई बीमारियों से दूर रखता है। अक्सर हम नींबू के छिलके को बेकार समझकर कूड़े में फेंक देते है लेकिन इसका छिलका भी बहुत फायदेमंद है। नींबू का छिलका वजन घटाने में मददगार है। इसमें पेक्टिन नामक तत्व पाया जाता है जो शरीर में जमा अतिरिक्त चर्बी को तेजी से कम करता है। अगर आप मोटापे से छुटकारा पाना चाहते है तो इसका सेवन करें।

नींबू के छिलके के फायदे

तनाव

आजकल हर तीसरा व्यक्ति तनाव से ग्रस्त है। तनाव से छुटकारा पाने के लिए नींबू का छिलका सबसे बैस्ट है। इसमें मौजूद फ्लेवोनॉयड तनाव को दूर करने में मदद करता है।

कैंसर

कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लड़ने के लिए नींबू के छिलके काफी फायदेमंद है। इसमें मौजूद तत्व कैंसर की कोशिकाओं से लड़ने में मददगार है।

मजबूत दांत

नींबू के छिलकों में 10 नींबू के रस से 10 गुना ज्यादा विटामिन और कैल्शियम पाया जाता है। इसका इस्तेमाल करने से दांतों से जुड़ी कई परेशानियां दूर होती है।

दिल को रखें स्वस्थ

पोटेशियम से भरपूर नींबू का छिलका ब्लड प्रैशर को कंट्रोल में रखता है। यह हार्ट अटैक और डायबिटीज जैसी बीमारियों से बचाता है।

ग्लोइंग स्किन

नींबू के छिलके से आप स्किन संबंधित समस्याओं को दूर कर सकते है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुण त्वचा को निखारने में मदद करते है।

बहरेपन को ठीक करने में बेहद कारगर हैं ये देसी नुस्खे

बहरेपन की समस्या कुछ लोगों को बचपन से होती है और कुछ की किसी दुर्घटना या फिर अपनी लापरवाही जैसे ज्यादा देर ईयरफोन लगा कर म्यूजिक सुनना, नहाते समय पानी कान में चले जाना, घर पर कान की सफाई करना, कान में कड़ा मैल जमने आदि के कारण सुनने की शक्ति खत्म हो जाती है। कभी-कभी बढ़ती उम्र में भी बहरेपन की समस्या होने लगती है। ऐसे में आप कुछ घरेलू नुस्खों का सहारा लेकर भी इससे छुटकारा पा सकते हैं।

1. सरसों का तेल और धनिया

बहरेपन से छुटकारा पाने लिए सरसों के तेल में धनिए के बीज डाल कर इसे पकाएं। जब तेल जल कर आधा रह जाए तो इसे छान लें। फिर इसे ठंडा करके कान में डालें।

2. सफेद प्याज

सफेद प्याज के अर्क को दिन में तीन बार डालने से बहरेपन से राहत मिलती है। इस उपाय को 2-3 महीने तक करें।

3. गाय का दूध

गाय के दूध में 1 चुटकी हीरा हींग डाल कर अच्छी तरह से मिलाएं और इसे 2 बार कान में डालें।

4. लहसुन

लहसुन में बहुत सारे औषधीय गुण पाए जाते हैं। बहरेपन की समस्या में इसे प्रयोग में लाने के लिए लहसुन की 7-8 कलियां छील कर 100 ग्राम सरसों के तेल में पकाएं। फिर इस तेल को ठंडा करके बूंद-बूंद करके कान में डालें।

5. मूली का रस

बहरेपन से राहत पाने के लिए सरसों के तेल में थोड़ा-सा मूली का रस मिलाएं और इसे इस्तेमाल करें।

6. बेल और अनार के पत्तों का रस

इस उपाय को करने के लिए 1-1 चम्मच बेल और अनार के पत्तों का रस दोनों मिलाकर 100 ग्राम सरसों के तेल में डाल कर तब तक पकाएं जब तक तेल आधा न हो जाए। फिर इसे आंच से हटा कर छान कर शीशी में रखें और इस्तेमाल करें।

झड़ते बाल और पिंपल्स से छुटकारा दिलाएगा करी पत्ता

करी पत्ते का इस्तेमाल हर घर की रसोई में खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है लेकिन इसमें ऐसे विटामिन्स पाए जाते हैं, जो स्किन और बालों के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। अगर आप टूटते-झड़ते बालों, डैंड्रफ, पिंपल आदि ब्यूटी प्रॉब्लम्स से परेशान है तो आप करी पत्ते से इन समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं। आज हम आपको करी पत्ते के फायदे और इसे इस्तेमाल करने का तरीका बताएंगे, जिससे आपको बहुत जल्दी फायदा दिखने लगेगा।

1. पिंपल से पाए छुटकारा

करी पत्ते के इस्तेमाल से पिंपल और इसके मार्क्स से राहत मिलती है। इसके पेस्ट को लगाने से एक्ने-प्रोन एरिया को आराम और ठंडक मिलती है। इसे लगातार लगाने से पिंपल्स मार्क्स भी खत्म हो जाते हैं। इसका पेस्ट बनाने के लिए करी पत्ते को धो कर पेस्ट बना लें और फिर इसमें लेमन जूस मिलाएं। फिर इसे 10 मिनट तक प्रॉब्लम वाली जगह पर लगाएं और फिर चेहरे को धो लें।

2. फाइन लाइन से मिलें राहत

फाइन लाइन और ग्लोइंग चेहरे के लिए करी पत्ते का फेस पैक बहुत फायदेमंद है। इसे बनाने के लिए करी पत्ते को धूप में सूखा लें। फिर इसे पीस कर पाउडर बनाएं। अब इसमें मुलतानी मिट्टी, गुलाब जल और कोई भी तेल अच्छी तरह से मिलाएं। अब इस पैक को चेहरे पर लगाएं और 20 मिनट बाद चेहरा धोएं।

3 झड़ते बालों और डैंड्रफ से मिलें छुटकारा

टूटते-झड़ते बालों और डैंड्रफ में राहत पाने के लिए करी पत्ता बहुत कारगार उपाय है। इसे इस्तेमाल करने के लिए करी पत्ते को दूध में पीस कर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को सिर के स्कैल्प पर 15-20 मिनट तक लगाएं। इसके बाद बालों धो लें।

4. सफेद बालों को बनाए काला

अगर आप समय से पहले सफेद होने वाले बालों से परेशान है, तो करी पत्ते का तेल बना कर इस्तेमाल करें। इसे बनाने के लिए नारियल तेल को गर्म करके उसमें साफ और सूखें करी पत्ते मिलाएं और इसे तब तक गर्म करें जब तक पतों का रंग न बदल जाएं। फिर इसे ठंडा करके अपनी उंगलियों से पत्तों को तेल में मैश करें। अब इसे छान कर पत्तों से अलग कर दें। अब इस तेल को बालों की जड़ों तक लगाएं। इससे बाल काले और मजबूत होगें।

यह खाना औरतों को बना सकता है उम्र भर के लिए बांझ

प्रेग्नेंसी में बच्चे और मां की सेहत का खास ख्याल रखने के लिए पौष्टिक आहार की खास जरूरत होती है। पौष्टिक आहार में फल बहुत महत्वपूर्ण हैं जो शरीर में विटामिन,मिनरल्स और खनिज पर्दार्थों की कमी को पूरे करते हैं। वहीं कुछ महिलाओं को फल खाना पसंद नहीं होता और वह हैल्दी फूड्स की बजाए टेस्ट को ज्यादा महत्व देती हैं, जिसमें जंक फूड यानि पिज्ज,बर्गर,फ्रेंच फ्राइस आदि शामिल हैं। इन फूड्स का सेहत पर तो बुरा असर पड़ता ही है लेकिन इससे प्रेग्नेंट होने के चांस भी कम हो जाते हैं। यह बात हाल ही में एक रिसर्च में साबित हुई है कि फास्ट फूड में ऐसे केमिकल होते हैं, जिनसे कई हार्मोन्स ज्यादा बनने लगते हैं और वजन बढ़ने लगता है। जो प्रेग्नेंसी में रूकावट पैदा करता है, जिससे गर्भ धारण करने में परेशानी पैदा होती है। ज्यादा समय तक हॉर्मोंस की यह परेशानी आने से बांझपन की समस्या बढ़ जाती है। वहीं जो महिलाएं जंक फूड अवॉइड करके बेरी,नट्स,हरी पत्तेदार सब्जियां,अंजीर,बींस आदि को अपने आहार में शामिल करती हैं, उन्हें इन चीजों में एंटीऑक्सीडेंट का अच्छा स्त्रोत मिल जाता है। जिससे फर्टिलिटी बढ़ती है और गर्भावस्था की परेशानियां कम हो जाती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

प्रभास के अपोजिट नजर आ सकती हैं दिशा पाटनी

साउथ सुपरस्टार प्रभास अपनी अगली फिल्म 'राधे श्याम' के आखिरी शेड्यूल की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म के अलावा हाल ही में प्रभास की फिल्म 'सलार' की घोषणा हुई है। इस फिल्म को प्रशांत नील बना रहे हैं। जब से इस फिल्म का ऐलान हुआ है तब से इस बात को लेकर चर्चा है कि इस फिल्म में प्रभास के अपोजिट कौन सी एक्ट्रेस नजर आने वाली हैं। अब खबर आ रही है कि इस फिल्म के लिए प्रभास के अपोजिट एक्ट्रेस दिशा पाटनी को लेने की बात चल रही हैं। अगर ऐसा होता है तो दर्शकों को एक नई जोड़ी देखने को मिलने वाली हैं। हालांकि इस बात को लेकर किसी तरह का आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है और ना ही इसको लेकर दिशा की तरफ से कोई बयान सामने नहीं आया है। प्रशांत नील ने हाल ही में 'केजीएफ चैप्टर 2' की शूटिंग को पूरा किया है। वे अपने आगामी प्रोजेक्ट को किक-स्टार्ट करने के लिए कमर कस रहे हैं। फिल्म के लिए हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में एक विशाल सेट का निर्माण कराया है। बताया जा रहा है कि प्रभास 2021 में 'सलार' के अलावा 'आदिपुरुष' की शूटिंग भी शुरू करेंगे।

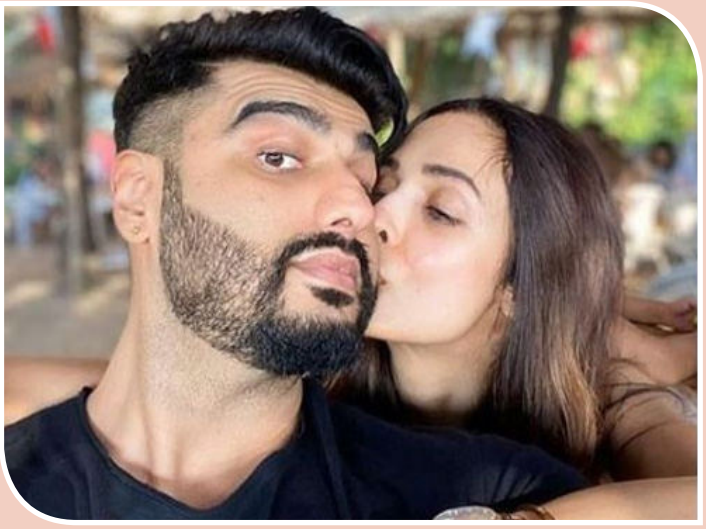

मलाइका अरोरा का खुलासा

मलाइका अरोरा और अर्जुन कपूर बॉलीवुड के फेवरेट कपल में से एक हैं। दोनों को पार्टी, इवेंट्स और डेट्स पर साथ में कई बार देखा गया है। मलाइका और अर्जुन अपने रिश्ते को ऑफिशियल कर चुके हैं। कोरोनावायरस की वजह से लगे लॉकडाउन के दौरान खबर आई थी कि मलाइका और अर्जुन साथ में क्वारंटीन कर रहे हैं। अब मलाइका अरोरा ने इस बात को कंफर्म किया है। एक इंटरव्यू के दौराना मलाइका ने बताया कि यह सच है कि वह बॉयफ्रेंड अर्जुन कपूर के साथ क्वारंटीन में थीं। इसके अलावा उन्होंने इस बारे में भी बात की कि कैसे उनका समय अर्जुन संग खुशनुमा बीता है। इंटरव्यू के दौरान मलाइका से पूछा गया कि वह किस एक्टर के साथ क्वारंटीन में रहना चाहती हैं। इसपर मलाइका ने कहा कि वह एक ऐसे एक्टर के साथ क्वारंटीन में रह चुकी हैं, जो कि बहुत मजेदार है। अर्जुन कपूर के बारे में बात करते हुए मलाइका ने कहा, 'वो बहुत एंटरटेनिंग हैं। मैं उनके साथ क्वारंटीन करना चाहूंगी क्योंकि वो बहुत ज्यादा एंटरटेनिंग हैं। उनके साथ कोई भी पल बुरा नहीं होता। मेरे साथ ऐसा है कि वह मेरा मजाक उड़ाते रहते हैं।' बता दें कि कोरोनावायरस महामारी के कारण लगे लॉकडाउन में मलाइका और अर्जुन साथ में रह रहे थे। लॉकडाउन खत्म होने के बाद दोनों सितंबर में कोविड पॉजिटिव पाए गए। जिसके बाद दोनों क्वारेंटाइन के दौरान भी साथ में ही रहे थे।

रितिक रोशन करेंगे ओटीटी डेब्यू

इन दिनों कई बॉलीवुड सेलेब्स डिजिटल प्लेटफॉर्म का रुख कर रहे हैं। अब खबरें आ रही है कि बॉलीवुड एक्टर रितिक रोशन भी जल्द अपना मेगा ओटीटी डेब्यू करने जा रहे हैं। वे हॉलीवुड टीवी सीरीज द नाइट मैनेजर के हिन्दी एडप्टेशन में नजर आने वाले हैं। खबरों के मुताबिक रितिक रोशन ने इस खास प्रोजेक्ट के लिए हामी भर दी है और वे अगले साल मार्च में इस पर काम शुरू कर सकते हैं। इस प्रोजेक्ट के साथ जुड़ने के लिए रितिक ने मोटी फीस ली है। रितिक रोशन इस फिल्म में एक लग्जरी होटल के नाइट मैनेजर के तौर पर नजर आएंगे, जो कि सेवानिवृत्त भारतीय सेना के जवान रह चुके होंगे। इस फिल्म का निर्देशन संदीप मोदी करेंगे। सीरीज में रितिक, सरकार के एक एंजेंट के तौर पर काम करेंगे। वहीं रितिक रोशन इसके अलावा फिल्म 'विक्रम वेदा' में भी नजर आएंगे। यह फिल्म विक्रम-बेताल की कहानियों से प्रेरित है। फिल्म में रितिक एक गैंगस्टर का रोल अदा करेंगे। वहीं सैफ पुलिस कॉप के रोल में होंगे।